हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 302 : जौनपुर, गुरुवार 03 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

हरियाणा में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा को लेकर योगी सरकार सख्त

एजेन्सी

लखनऊ। हरियाणा में पिछले दिनों फैली साम्प्रदायिक हिंसा को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भी सख्त एक्शन में आ गई है। प्रदेश में साम्प्रदायिक हिंसा न हो इसके लिए उत्तर प्रदेश डीजीपी ने जिलों पुलिस को फ्लैग मार्च के आदेश दिए हैं। उन्होंने साथ ही ये भी आदेश जारी किया है कि सोशल मीडिया पर भी नजर बनाएं रहे जिससे कोई भी किसी प्रकार की भड़काऊ पोस्ट ना डाले। जो भी ऐसा करता है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। बता दें कि हरियाणा में पिछले दिनो से साम्प्रदायिक हिंसा भड़की हुई है। वहीं इस घटना को लेकर हरियाणा के डीजीपी पी के अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि स्थिति काबू में है और सभी मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की जाएगी । उधर बजरंग दल के एक घायल कार्यकर्ता की मौत होने के साथ ही प्रदेश में फैली सांप्रदायिक हिंसा में

मृतकों की संख्या बढ़कर बुधवार को छह हो गयी जबकि गुरुग्राम में कई दुकानों तथा गोदामों को आग के हवाले कर दिया गया। विश्व हिंदू परिषद ने बजरंग दल के एक घायल कार्यकर्ता की मौत की सूचना दी। डीजीपी पी के अग्रवाल ने राज्य में साम्प्रदायिक हिंसा की स्थिति पर बताया कि स्थिति काबू में है और सभी मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की जाएगी । उन्होंने कहा कि बजरंग दल के मोनू मानेसर की भूमिका की जांच की जा रही है और दंगों के संबंध में नूंह में 41 प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं। नूंह में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा गुरुग्राम सहित राज्य के कई हिस्सों तक फैल गयी है। पुलिस के अनुसार, गुरुग्राम में मंगलवार देर रात कम से कम पांच इलाकों में तोड़फोड़ और आगजनी की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे सेक्टर–70ए में एक गोदाम तथा उससे सटी पंक्चर की एक दुकान में आगजनी की गयी। दमकल की दो गाड़ियों को बुलाया गया तथा आधे घंटे में ही आग पर काबू पा लिया गया। देर रात करीब एक बजे टीकली गांव के समीप तीन गोदाम भी फूंक दिए गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बादशाहपुर इलाके में मांस की दो दुकानों में तोड़फोड़ की गयी जबकि पालम विहार में एक गोदाम को भी आग के हवाले कर दिया गया। युवाओं के एक समूह ने नखडोला गांव के समीप झुग्गी बस्ती में हमला किया। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने भोंडसी इलाके में मारुति कुंज के समीप एक पंक्चर की दुकान को आग लगाने की कोशिश की लेकिन इलाके में पुलिस दल को देखने के बाद वे भाग गए। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र तंवर ने कहा कि सोमवार को नूंह में हिंसा के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा पर दंगाइयों ने हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि शर्मा को गुरुग्राम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बजरंग दल के 32 वर्षीय कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा की मौत की पुष्टि की है। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक पी के अग्रवाल और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध जांच विभाग) हालात का जायजा लेने के लिए दोपहर को गुरुग्राम पहुंचे। नूंह में हिंसा को लेकर मानेसर में एक महापंचायत बुलायी गयी है। हरियाणा के नूंह में भड़की हिंसा की आंच गुरुग्राम तक फैल गयी है जिसमें मंगलवार रात को मस्जिद पर किए हमले में एक मौलवी की हत्या कर दी गयी और एक भोजनालय को फूंक दिया गया तथा दुकानों में तोड़फोड़ की गयी।

हरियाणा के बाद अब दिल्ली में हिंसा भड़कने का खतरा! अलर्ट पर पुलिस, भारी सुरक्षा तैनाती

एजेन्सी

नयी दिल्ली। हरियाणा के नूंह जिले में हुई हिंसा के खिलाफ बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी)

के सदस्यों ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पूर्वी दिल्ली के निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन के पास सड़कों पर उतरे और घोंडा चौक पर नारे लगाए गए। विरोध प्रदर्शन की खबर मिलते ही दिल्ली पुलिस हरकत में आई और इलाके में भारी सुरक्षा तैनाती सुनिश्चित की। इन दो स्थानों के अलावा, सुभाष नगर चौक के पास भी प्रदर्शन हुए। 31 जुलाई को एक जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प के बाद हरियाणा के नूंह जिले में तनाव फैल गया। झड़पों के बाद, आसपास के जिलों फरीदाबाद, पलवल और गुरुग्राम में सुरक्षा कड़ी कर दी गई। इससे पहले, बुधवार को, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने संवाददाताओं को बताया कि नूंह में हिंसा के सिलसिले में कुल 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें अब तक 6 लोगों की जान चली गई है – 2 पुलिस होमगार्ड और 4 नागरिक। खट्टर ने कहा, हिंसा में अब तक छह लोग–2 होमगार्ड और 4 नागरिक–मारे गए हैं। हिंसा के सिलसिले में कुल 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें रिमांड पर लिया गया है। दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। हम व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, "खट्टर ने कहा।

"राज्य में कुल मिलाकर स्थिति सामान्य है।" हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा, मैं जनता से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा, शांति और व्यवस्था बहाल करने के लिए राज्य में अर्धसैनिक बल की कुल 20 कंपनियां और 30 हरियाणा पुलिस इकाइयां तैनात की गई हैं। "14 इकाइयां (पुलिस और अर्ध बलों की) नूंह भेजी गईं, जबकि 3, 2 और 1 इकाइयां क्रमशः पलवल, फरीदाबाद और गुरुग्राम में तैनात की गईं।" फिलहाल, नूंह और आसपास के इलाकों में स्थिति सामान्य है लेकिन सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर है।

मणिपुर मुद्दे पर राष्ट्रपति से मिले विपक्षी नेता, हस्तक्षेप का आग्रह

एजेन्सी

नयी दिल्ली। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दल के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनसे मणिपुर मुद्दे पर हस्तक्षेप का आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि विपक्षी दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान उन्हें हरियाणा में दंगों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर में शांति बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर का दौरा करने के साथ ही जरूरी कदम उठाने चाहिए।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने संवाददाताओं से कहा, 'हमने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। वहां की घटनाओं, खासकर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के बारे में उन्हें अवगत कराया।

जी२०: जब महिलाएं समृद्ध होती हैं, तो दुनिया मजबूत होती है, महिला सशक्तिकरण पर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण विकास को गति देता है और उन्हें सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका "महिला नीत विकासात्मक दृष्टिकोण है। जी20 की भारत की अध्यक्षता में गुजरात की राजधानी गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित 'महिला सशक्तीकरण मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को मोदी ने डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, "जब महिलाएं समृद्ध होती हैं, तो दुनिया समृद्ध होती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण विकास को गति देता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को बढ़ावा देती है। उनका नेतृत्व समावेशिता बढ़ाता है और उनकी आवाज सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा, "महिलाओं को सशक्त

बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला नीत विकास का दृष्टिकोण है। भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खुद एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। वह एक साधारण आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं, लेकिन अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रक्षा बल के कमांडर–इन–चीफ के रूप में कार्य करती हैं। महिला सशक्तिकरण पर जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि, आज पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाएं उच्च शिक्षा में दाखिला ले रही हैं। भारत में हमारे पास नागरिक उड्डयन में महिला पायलटों का प्रतिशत सबसे अधिक है और भारतीय वायु सेना में महिला पायलट अब लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। महिला अधिकारियों को तैनात किया जा रहा है।

मणिपुर मुद्दे पर राष्ट्रपति से मिले विपक्षी सांसद, खरगे बोले, हम संसद में चर्चा चाहते हैं, लेकिन सरकार सुन नहीं रही

एजेन्सी

नयी दिल्ली। विपक्षी गठबंधन' इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दल के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनसे मणिपुर मुद्दे पर हस्तक्षेप का आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों की ओर से मंगलवार को राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगा था। खरगे ने बताया कि विपक्षी दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान उन्हें हरियाणा में दंगों के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर में शांति बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मणिपुर का दौरा करने के साथ ही जरूरी कदम उठाने चाहिए। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने संवाददाताओं से कहा , "हमने राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा है। वहां घटने वाली घटनाओं, खासकर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के बारे में उन्हें अवगत कराया। हम राष्ट्रपति का ध्यान आकर्षित करने के लिए मिले। उन्होंने कहा, "हम लोकसभा में जब अपनी बात रख–रखकर थक गए थे, तो अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। इस पर कल ही चर्चा होनी चाहिए थी। सरकार का एक ही मकसद है–जवाब नहीं देना और चीजों से बचना। खरगे के अनुसार, विपक्ष राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा , "दिल्ली से सटे राज्य में दंगे हो रहे हैं, लेकिन कोई संज्ञान नहीं लेता। हमने ये सारी बातें राष्ट्रपति को बतायीं। विपक्षी दलों के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति मुर्मू को एक ज्ञापन भी सौंपा है जिसमें मणिपुर

की स्थिति का विस्तृत उल्लेख करने के साथ ही उनके दखल की मांग की गई है। विपक्षी दलों के गठबंधन ' इंडिया के कुछ सांसदों ने 29–30 जुलाई को मणिपुर का दौरा किया था। वे राष्ट्रपति से मुलाकात करने वाले विपक्षी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। विपक्ष मणिपुर हिंसा पर संसद में नियम 267 के तहत चर्चा के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बयान देने की मांग कर रहा है जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन मणिपुर पर एक अल्पकालिक चर्चा चाहता है जिस पर जवाब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देंगे। 'इंडिया के घटक दलों के 21 सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 29–30 जुलाई को मणिपुर का दौरा किया था। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि अगर मणिपुर में पिछले तीन महीने से जारी जातीय संघर्ष की समस्या को जल्द हल नहीं किया गया, तो देश के लिए सुरक्षा समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कर्ज में डूबे हुए थे खुदकुशी करने वाले आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई,फाइनेंस कंपनी से लिया था 180 करोड़ का लोन

एजेन्सी

मुंबई। जाने–माने फिल्म कला निर्देशक नितिन देसाई ने अपने वित्तीय ऋणदाता को 252 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान में चूक की थी और पिछले सप्ताह ही एक दिवाला अदालत ने उनके खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की याचिका को स्वीकार किया था। देसाई का शव बुधवार को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में उनके स्टूडियो में लटका मिला। देसाई की कंपनी एनडी आर्ट वर्ल्ड प्राइवेट लि. ने दो बार में...2016 और 2018 में ईसीएल फाइनेंस से 185 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। जनवरी, 2020 से उनके समक्ष कर्ज भुगतान का संकट शुरू हुआ। रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे ने कहा, "देसाई का शव सुबह एन डी स्टूडियो में रस्सी से लटका मिला।माना जा रहा है कि उन्होंने आत्महत्या की है। अभी यह पता नहीं चल सका है कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया। देसाई को 'लगानश और 'देवदास जैसी फिल्मों में उनके कला निर्देशन के लिए जाना जाता है। उन्होंने देश की वित्तीय राजधानी के बाहरी इलाके खालापुर तालुका में यह स्टूडियो खोला था। इसमें 'जोधा अकबर जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने 25 जुलाई को एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन की देसाई की कंपनी के खिलाफ दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता प्रक्रिया शुरू करने की याचिका स्वीकार की थी। एनसीएलटी के सदस्य (न्यायिक) एच वी सुब्बा राव और सदस्य (तकनीकी) अनु जगमोहन सिंह ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जितेंद्र कोठारी को अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त किया था।

शिमला-चंडीगढ़ हाईवे भूस्खलन से बाधित

एजेन्सी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में बुधवार सुबह भूस्खलन के कारण शिमला को चंडीगढ़ से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग में आवागमन अवरुद्ध हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूस्खलन के कारण 50 मीटर लंबी सड़क पूरी तरह धंस गई है। सड़क के दोनों ओर वाहन फंसे हुए हैं। चंडीगढ़ की ओर से आने वाले हल्के वाहनों को परवाणू–कसौली–जंगुशु रोड–कुमारहट्टी के रास्ते भेजा जा रहा है, जबकि सोलन से वाहनों को भोगनगर–बनासर–कामली मार्ग से भेजा जा रहा है।

फिच के झटके से शेयर बाजार धड़ाम, निवेशकों के 3.56 लाख करोड़ डूबे

एजेन्सी

नयी दिल्ली। फिच रेटिंग्स द्वारा अमेरिका की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को डाउनग्रेड किए जाने से दुनियाभर के शेयर बाजारों में कमजोरी के बीच घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बुरी तरह धाराशायी हो गए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 676.53 अंक यानी 1.02 फीसदी की टूट के साथ 65,782.78 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 207.00 अंक यानी 1.05: की टूट के साथ 19,526.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी पर हीरो मोटोकॉर्प के शेयर में सबसे ज्यादा 3.49 फीसदी टूट देखने को मिली।

मार्केट में तेज गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 3.56 लाख करोड़ रुपए घट गया है। यह 303.24 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जोकि कल 306.80 लाख करोड़ रुपए था। बीएसई पर टाटा स्टील एवं टाटा मोटर्स के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा टूट के साथ बंद हुए। इनके अलावा बजाज फिनजर्व, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और एसबीआई के शेयर फीसदी से ज्यादा गिरावट के साथ क्लोज हुए लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और इंडसइंड बैंक के शेयर एक फीसदी से ज्यादा कमजोरी के साथ बंद हुए। इनके अलावा विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, मारुति, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 0.50 फीसदी से ज्यादा टूट के साथ क्लोज हुए। आज सभी सेक्टोरल इंडिसेज लाल निशान के साथ बंद हुए।

पांच-छह अगस्त को तमिलनाडु-पुडुचेरी के दौरे पर रहेंगी मुर्मू

एजेन्सी / चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पांच और छह अगस्त को तमिलनाडु और पुडुचेरी की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगी। श्रीमती मुर्मू पांच अगस्त की शाम चेन्नई पहुंचेंगी और यहां राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। वह छह अगस्त यानी रविवार को मद्रास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी, जिसके बाद वह केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए रवाना हो जाएंगी। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के भी कलैवनार अरंगम में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में भाग लेने की उम्मीद है।

अनुच्छेद 370 रद्द किए जाने को चुनौती, संविधान पीठ ने शुरू की सुनवाई

एजेन्सी

नयी दिल्लीं। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई शुरू कर दी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ इस मामले पर हर दिन सुनवाई करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं की पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वह बृहस्पतिवार तक अपनी दलीलें जारी रखेंगे।

नूंह हिंसा में छह लोगों की मौत, 116 गिरफ्तार : हरियाणा सीएम

एजेन्सी / चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को कहा कि नूंह में हिंसा के कारण छह लोगों की मौत हो गई है और इस मामले में 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने शांति की अपील की है उन्होंने कहा कि मृतकों में होम गार्ड के दो जवान और चार आम नागरिक हैं।

हरियाणा हिंसा का यमपी में असर! कई जिलों में हिंदू संगठनों का फूटा गुस्सा

एजेन्सी

लखनऊ। हरियाणा के नूंह और गुरुग्राम जिले में सांप्रदायिक हिंसा के बाद तनाव की स्थिति बनी हुई है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए भारी मात्रा में पुलिस फोर्स और केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है। इस बीच पुलिस ने बताया है कि नूंह में हिंसा के मामले में अब तक 22 एफआईआर दर्ज की गई हैं। हिंसा के मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस हिंसा का असर अन्य राज्यों में भी देखा जा सकता है। इसी कड़ी में यूपी के कई जिलों में इसका असर देखने को मिला है।यूपी के बुलंदशहर के खुर्जा नगर में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने हरियाणा के नूह में हुई हिंसा के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। हिंदू संगठन के लोगों का कहना है हरियाणा के नूह में हुई हिंसा में दंगाइयों (आरोपियों) के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। जल्द अगर नही हुई सख्त कार्रवाई तो विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और हिंदू युवा वाहिनी के लोग देश भर में बड़ा प्रदर्शन करेंगे। नूहं हरियाणा में हिंसा के बाद नोएडा में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद पैदल मार्च निकालेगा। नोएडा स्टेडियम से डीएम आवास तक पैदल मार्च होगा।

बजरंग दल के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। हरियाणा में हुई हिंसा को लेकर वीएचपी और बजरंग दल ज्ञापन सौंपेगा। नोएडा स्टेडियम पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। हरियाणा में हुई हिंसा के विरोध में सड़कों पर बजरंग दल के कार्यकर्ता उतरे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आतंकवादी और जिहादियों का पुतला फूंका।

मृतकों के परिजनों को मुआवजे की मांग की औफ जमकर नारेबाजी की। मामला सदर कोतवाली के शंकर चौराहे का है। संतकबीरनगर में नूह में हुई हिंसा के बाद विरोध प्रदर्शन जारी है।

सम्पादकीय

युद्ध रुकना ही चाहिए

''खून अपना हो या पराया हो नस्लें आदम का खून है आखिर, जंग मशरिक में हो या मगरिब में अमन–ए–आलम का खून है आखिर। बम घरों पर गिरे या सरहद पर

रुहें–तमीर जख्म खाती हैं, खेत अपने जलें कि औरों के जीस्त फाकों से तिलमिलाती है। इसध्लिए ऐ शरीफ इंसानों जंग टलती रहे तो बेहतर है, आप और हम सभी के आंगन में

शमां जलती रहे तो बेहतर है।'' साहिर लुधियानवी की कविता याद आ रही है। रूस–यूक्रेन युद्ध को डेढ़ वर्ष हो गया है। दोनों देशों में वर्चस्व, सम्मान और स्वाभिमान की जंग जारी है। न कोई जीत रहा है न कोई हार रहा है। शहर के शहर खंडहर हो रहे हैं। हजारों लोगों की जान जा चुकी है। यूक्रेन पूरी तरह से छलनी हो चुका है, रूस पीछे हटने को तैयार नहीं। युद्ध ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर डाला है। मास्को की इमारतों पर ड्रोन हमलों के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यद्यपि भड़के हुए हैं लेकिन उन्होंने सेंट पीटर्सबर्ग में जो बयान दिया है उसे गम्भीरता से लिया जाना चाहिए और युद्ध को समाप्त करने की कोई न कोई पहल जरूर की जानी चाहिए। पुतिन का कहना है कि वे कभी शांति पहल के खिलाफ नहीं रहे हैं लेकिन जब यूक्रेन की सेना बड़े पैमाने पर हमले कर रही हों तो रूस की सेना युद्ध विराम कैसे कर सकती है। कोई भी पहल शांति का आधार बन सकती है, जैसे कि चीन की तरफ से जो पहल हुई है या फिर अफ्रीका की शांति की पहल भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति ला सकती है। शांति के लिहाज से पुतिन का बयान काफी अहम है। अमेरिका और यूरोप के देशों से उसे भरपूर हथियार और गोला बारूद मिल रहा है, ऐसे में अपनी जमीन से रूस को खदेड़े बगैर यूक्रेन अपनी तरफ से रुकेगा, इसकी सम्भावना कम ही नजर आती है। रूस और यूक्रेन दोनों ने ही अब तक यही कहा है कि वे घबिना शर्तों के शांघति वार्ता के लिए बातचीत की मेज पर नहीं आएंगे। युद्ध के चलते दुनिया भर में पैट्रोल, ऊर्जा संकट खड़ा हुआ है। जब से रूस ने यूक्रेन के साथ अनाज सप्लाई निर्यात करने का समझौता तोड़ा है। इससे अनाज संकट गहराने की आशंकाएं बलवती हो गई हैं। अब चिंता जताई जा रही है कि पहले से ही अकाल का सामना कर रहे कई अफ्रीकी देशों के लिए गम्भीर खाद्य संकट पैदा हो सकता है। सोमालिया, कीनिया, इथियोपिया और दक्षिण सूडान जैसे देशों में पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को खाद्य सुरक्षा सहायता की जरूरत है, क्योंकि इन देशों में वर्षों से ठीक से बारिश नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक ये अनाज समझौता यूक्रेन को इन अफ्रीकी देशों में मानवीय सहायता के तौर पर 6 लाख 25 हजार टन अनाज भेजने की अनुमति देता था। विश्व व्यापार संगठन की महानिदेशक गोजी ओकोनजो इवेला कहती हैं, ष्काला सागर के जरिए खाद्य पदार्थ, चारा और उर्वरक का व्यापार विश्व खाद्य कीमतों में स्थिरता के लिए जरूरी है। ये कहते हुए दुख हो रहा है कि इस फैसले से सिर्फ गरीब लोग और गरीब देशों को नुक्सान उठाना पड़ रहा है। दुनिया भर में अनाज की कीमतें बढ़ रही हैं। कई देशों को रूस से गेहूं, वेजिटेबल आयल, उर्वरक आयात करने में परेशानी आ रही है। युद्ध से विश्व दो गुटों में बंट चुका है। जब तक युद्ध समाप्त नहीं होता, सरकारें संकट का सामना करती रहेंगी। युद्ध तुरन्त नहीं रोका गया तो विश्व शांति को गम्भीर खतरा पैदा हो जाएगा। बेहतर यही होगा कि अमेरिका एवं नाटो देश अपनी जिद और दंभ छोड़ें क्योंकि वह भी लम्बे समय तक यूक्रेन की सैन्य और आर्थ्क मदद नहीं कर पाएंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ एवं सुरक्षा परिषद युद्ध रोकने में पूरी तरह विफल रहा है और उसकी विश्वसनीयता खतरे में है। सारी दुनिया भारत पर नजरें लगाए बैठी है और भारत शांति प्रक्रिया में भागीदार बनने को तैयार है। इस समय युद्ध को रोकने के लिए पहल बहुत जरूरी है। अमेरिका और यूरोपीय देशों को पुतिन के बयान को साकारात्मक ढंग से लेना चाघहिए और दोनों देशों को शांति वार्ता के लिए एक मेज पर लाना चाहिए,क्योंकि पुतिन भी शांति वार्ता से इंकार नहीं कर रहे। यूक्रेन को भी नाटों में शामिल होने की महत्वकांक्षा त्याग देनी चाहिए और वार्ता की मेज पर आना चाहिए।

नफरत की धांय-धांय

देश अंततः उस मुकाम पर खड़ा दिखाई देने लगा है जहां उसे पहुंचाने की सुनियोजित योजना पिछले एक दशक से बनाई और क्रियान्वित की गई है। वैसे तो इसका खाका लगभग एक शताब्दी से बनाकर समाज के आगे रख दिया गया था परन्तु उसे राज्य की शक्ति और सत्तारुढ़ पार्टी का समर्थन हालिया 8–9 वर्षों में मिला है। इस शक्ति और समर्थन के रक्तरंजित प्रतिफल की एक झलक जयपुर–मुम्बई एक्सप्रेस में देखने को मिली जब एक कांस्टेबल ने सियासी बहस से बौखलाकर 4 लोगों को गोलियों से भूनकर रख दिया। इनमें तीन एक सम्प्रदाय विशेष के थे तो चौथा व्यक्ति आरक्षक का वरिष्ठ अधिकारी ही था। इतना ही नहीं, उसने लहू से तरबतर लाशों के सामने बाकायदा भाषण दिया और अन्य यात्रियों को समझाया कि शजिसे भी भारत में रहना है, उन्हें किसे वोट देना चाहिये। हत्या के तुरन्त बाद लोगों के समक्ष जो उद्बोधन कांस्टेबल ने दिया वह पिछले कुछ समय से लगाये जा रहे नारों की ही प्रतिध्वनि है जो चेतावनियों व धमकियों की शक्ल में सुनाई देती रहती है। देश के ज्यादातर हिस्सों में कभी एकाकी तो कभी समवेत स्वर में ऐसी ध मकियां उन सभी को मिल रही हैं जिन्हें अलग समाज का हिस्सा मान लिया गया है और उन्हें बहुसंख्यकों से दोयम नागरिक का दर्जा दे दिया गया है।

इन नारों के शिकार वे भी होते हैं जो इससे असहमत होते हैं और मानते हैं कि यह देश अल्पसंख्यकों का भी उतना ही है जितना अन्य लोगों का। 12956 क्रमांक की यह ट्रेन सोमवार की सुबह जब मुंबई से करीब 100 किलोमीटर दूर पालघर में थी, एएसआई टीकाराम मीणा व दो अन्य आरक्षक साथियों के साथ आरोपी कांस्टेबल चेतन कुमार चौध री कोच की एस्कॉर्ट ड्यूटी पर था। मीणा की किसी राजनैतिक टिप्पणी से वह एकाएक तैश में आ गया। उसने अपनी आटोमेटिक राइफल से मीणा एवं उसके साथ बैठे अब्दुल कादिर भानपुरवाला पर फायरिंग कर दी। फिर वह पेंट्री कार में गया। वहां उसने सदर मोहम्मद को गोलियों से उड़ाया। तत्पश्चात बी–6 कोच में जयपुर के असगर अली को मार डाला जो काम की तलाश में मुंबई आ रहा था। फिर करीब 6 बजे चेतन ने चेन खींचकर ट्रेन रोकी व उतरकर भागने लगा। जीआरपी ने उसे मुंबई के समीपवर्ती उपनगर मीरा रोड व दहिसर के बीच हथियारों के साथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि चेतन गुस्सैल है और इन दिनों अवसाद में था। सवाल सिर्फ यह खड़ा नहीं होता कि ऐसी मानसिक अवस्था में उसे क्यों ड्यूटी पर तैनात किया गया बल्कि घटनाक्रम से परे जाकर यह देखा जाना चाहिये कि जिन केन्द्रीय बलों के जवानों को हमेशा से धर्मनिरपेक्ष माना जाता रहा है, उसका एक सदस्य एक वर्ग विशेष को निशाना बनाकर एक–दो नहीं पूरे 12 राउंड फायर करता है। साथ ही मृत शरीरों के पास खड़े होकर एक खास तरह की विचारध ारा के अनुरूप बातें करता है। वह साफ संदेश देता है कि अगर लोगों को इस देश में रहना है तो उन्हें किन–किन लोगों को वोट देना होगा यानी किस पार्टी और लोगों को समर्थन देना होगा।

साफ है कि अल्पसंख्यकों को दिया जाने वाला यह संदेश देश भर के अल्पसंख्यकों को भयभीत करेगाय और ऐसा करना ही उसका मकसद है। ऐसा नहीं है कि देश में कोई पहली बार चलते–फिरते या बस–ट्रेन में सफर करते हुए सहयात्रियों के बीच राजनैतिक विचार–विमर्श हुआ हो। नुक्कड़ों, चौक–चौराहों, चाय, पान, नाई की दुकानों से लेकर सभागारों व सभाओं तक हमेशा से हर तरह की बहसें होती आई हैं। इनमें सियासती बहसें भी शामिल हैं। विचारों से असहमति के बीच भी ऐसी तकरीरें होती रहती हैं। हाल के वर्षों की राजनैतिक फिर कुछ ऐसी बदली है कि अब असहिष्णुता चरम पर है। वैचारिक विरोधियों व दूसरे धर्मावलम्बियों को देश का दुश्मन बतलाना, गद्दार कहना, पाकिस्तान–अफगानिस्तान भेजना, नक्सली, धर्मविरोधी साबित करना संवाद कला का नवाचार है जिसने सहिष्णु व सभ्य लोगों को इस वैचारिक प्रक्रिया से बाहर कर दिया है। अब बहस का क्षेत्र अंध भक्ति में लीन, तर्क –विवेक से विहीन तथा कुपढ़ों के अधीनस्थ हो गया है। वहां तथ्यों व यथार्थ पर आधारित विचार–विमर्श कम और गाली–गलौज से सनी भाषावली मुखर है।

बड़ी संख्या में लोग उस नयी संस्कृति का हिस्सा हैं जो राष्ट्रभक्ति के नाम पर ट्रोल आर्मी के सदस्य बन गये हैं। देश के ही कुछ वर्गों को अपने दुश्मन मान लेने वाले ये लोग हिंसा व घृणा से लबरेज हैं जो हथियारों से लैस होने पर अगर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं तो आश्चर्य ही क्या है? यह वही राह है जिस पर चलकर हमारे राजनैतिक पुरखों ने आजादी लेने से तक इंकार कर दिया था और तय किया था कि भारत को खून से लथपथ रास्तों पर चलना मंजूर नहीं है वरन वह बुद्ध, महावीर और गांधी के बताये रास्ते पर चलकर स्वतंत्र देश बनेगा चाहे उसके लिये उसे कितना भी इंतजार क्यों न करना पड़े। दुर्भाग्य से वह विचारधारा लोगों के मनो–मस्तिष्क और सत्ता पर कुछ इस कदर काबिज हो गई कि अब अहिंसा कायरता है और धर्मनिरपेक्षता एक वर्ग विशेष का तुष्टिकरण। समावेशी समाज की अवधारणा उपहास का विषय बन गया है तो समानता का सिद्धांत कूड़ेदान में फेंके जाने योग्य बतलाया जा रहा है।

नफरत की बोली और हिंसक व्यवहार पर लगाम न लगी तो समाज उस बिन्दु पर जाकर खड़ा हो जायेगा जहां से उसे वापस बुलाना असम्भव हो जायेगा। हथियारों की ध ामिक जिन्हें कर्णप्रिय लगती हो और अगर इसे ही वे शक्ति का प्रतीक मानते हैं तो शायद वे यह नहीं समझते कि बारूद फटने के पहले न तो समीप खड़े व्यक्ति की जाति पूछता है और न ही बंदूक–तमंचे से निकली गोली की दिलचस्पी किसी का धर्म जानने में होती है। बुलेट के आगे अब्दुल, सदर, असगर और टीकाराम एक सरीखे हैं।

नूंह का साम्प्रदायिक दंगा

दुनिया के कुल 200 के लगभग देशों में से यदि भारत के लोगों की प्रति व्यक्ति आय 128वें नम्बर पर हो और वे लोग आपस में ही लड़कर एक–दूसरे की सम्पत्तियां फूंक रहे हों तो उस देश का भविष्य क्या होगा? साम्प्रदायिक दंगे कराने वाले लोगों को हमारे महापुरुषों ने इसीलिए राष्ट्रद्रोही व देशघाती कहा था क्योंकि इनके कृत्यों से न केवल देश की एकता भंग होती है बल्कि आम आदमी का रोजगार भी छिनता है और वह और अधिक गरीबी के कुएं में चला जाता है। धर्म या मजहब के नाम पर जो लोग हिन्दू–मुसलमानों को आपस में लड़ाने का काम करते हैं वे कभी भी देशभक्त नहीं हो सकते क्योंकि उनकी जहनियत नफरत से भरी होती है और नफरत या घृणा हिंसा की जननी होती है। मगर देखिये हरियाणा के नूहं शहर में क्या कयामत बरपी कि एक कातिल, अपराधी और धार्मिक उन्मादी फरार व्यक्ति 'मोनू मानेसर' ने हिन्दू–मुसलमानों को एक धार्मिक यात्रा की आड़ में आपस में ही लड़ा दिया और पूरा प्रशासन सकते में आकर कई घंटे तक दंगों पर नियन्त्रण करने का प्रयास करता रहा। विगत फरवरी महीने में कथित गौरक्षक का लबादा ओढ़कर जिस तरह उसने कुछ अन्य अपराध प्रवृत्ति के लोगों के साथ मिलकर दो मुस्लिम युवकों नासिर और जुनैद को जलाया था, उसी से साफ हो गया था कि वह हरियाणा के मेवात इलाके को गौरक्षा के नाम पर साम्प्रदायिकता की आग में झोंकना चाहता था। मगर यह काम वह अकेले नहीं कर सकता था अतः नूहं में जो कुछ भी हुआ है वह हरियाणा की कृषि मूलक आपसी सौहार्द की संस्कृति को नष्ट करने का कुत्सित प्रयास ही कहा जायेगा और इससे हरियाणा की जनता को सावधान रहना होगा। मेवात निश्चित रूप से मुस्लिम बहुल इलाका है मगर इसका इतिहास भारत की एकता पर मर–मिटने का रहा है। मेवाती मुसमानों की संस्कृति को भारत की जमीन की संस्कृति इसलिए कहा जाता है कि इनके रीति–रिवाज इस मुल्क की तासीर से उसी भांति बन्धे हुए होते थे जिस प्रकार कभी अविभाजित पंजाब के मुसलमानों के। ब्याह–शादी से लेकर बच्चे के जन्म लेने पर हिन्दू पंडितों से जन्मपत्री बनवाने से लेकर नई दुल्हन के स्वागत करने आदि के तरीके सभी भारतीय तौर तरीकों से प्रभावित रहे हैं। इसीलिए पश्चिम उत्तर प्रदेश के जमुना पार के इलाके से लेकर हरियाणा तक यह कहावत प्रचिलित थी कि 'जाट का हिन्दू क्या और मेवाती का मुस्लिम क्या'। मगर हिन्दू–मुस्लिम के नाम पर राजनैतिक रोटियां सेंकने वालों से यह कभी बर्दाश्त नहीं हुआ और उन्होंने प्रख्यात शास्त्रीय गायक पं. जसराज के 'मेवाती संगीत घराने' को ही रौद्र रूप देने के प्रयास किये। सबसे बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि नूहं के अलावा इसके आस–पास के अन्य इलाकों में साम्प्रदायिक हिंसा भड़काने की कोशिश किन लोगों ने की? इसके साथ ही यह सवाल है कि नूहं के जिस इलाके में स्थित भगवान शंकर के स्थित मन्दिर में सावन महीने में हिन्दुओं द्वारा की जानी वाली पूजा–अर्चना में खुद इलाके के मेवाती मुस्लिम नागरिक सहयोग देते आये हैं उनके बीच एक व्यक्ति मोनू मानेसर ने नफरत का जहर बोना क्यों शुरू किया? भारत में रहने वाले क्या सबसे पहले हिन्दू–मुस्लिम हैं एक भारतीय नागरिक नहीं? ये कौन लोग हैं जो लगातार भारतीय नागरिकों को हिन्दू–मुस्लिम में बांटने का प्रयास करते रहते हैं।

बेशक स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान मुस्लिम लीग के नेता मुहम्मद अली जिन्ना ने भारतीयों को हिन्दू–मुसलमान में बांट कर नये देश पाकिस्तान का निर्माण करा लिया था मगर क्या उसके बावजूद भारत के एक–तिहाई मुसलमानों ने हिन्दोस्तान में ही रहने का निर्णय नहीं लिया। इसके पीछे असली वजह भारत का वह संविधान था जिसे भारत के लोगों ने अपने ऊपर लागू करके अहद किया था कि इसके पूरे भौगोलिक भू–भाग में रहने वाला व्यक्ति भारत का नागरिक है जिसके अधिकार बराबर हैं और पूरा भारत उसका देश है।

यह संविधान ही है जो भारत को बनाता है और इसकी व्याख्या कराता है। इसमें रहने वाला हर वह व्यक्ति देशभक्त है जिसकी परिभाषा हाल ही में भारतीय मूल की अमेरिका की उपराष्ट्रपति श्रीमती कमला हैरिस ने बहुत ही खूबसूरत अंदाज में की है। वह परिभाषा यह है ''जब हम सभी लोगों की आजादी, अधिकारों और इंसाफ के लिए मिलकर लड़ते हैं तो यह देशभक्ति है। जब हम अपनी विविधता का जश्न मनाते हैं और यह स्वीकार करते हैं कि एकता हमारी ताकत है, तब हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं'' कमला हैरिस के विचार मैंने जानबूझ कर लिखे हैं क्योंकि भारत की आज की युवा पीढ़ी अमेरिका को एक मजबूत व सफल राष्ट्र के रूप में सहर्ष स्वीकार करती है। मगर भारत तो वह देश है जहां से यह मूल विचार जन्मा है।

16वीं शताब्दी में ही गुरुनानक देव जी महाराज ने जब निम्नलिखित शबद कहा था तो उनके सामने भारत के रहने वाले लोग ही थे । वह शबद आज भी गुरुद्वारों में गाया जाता है।

''कोई बोले राम –राम, कोई खुदाये कोई सेवे गुसैंया, कोई अल्लाएकारन कर्ता करन करीम, किरपा धार तार रहीम कोई कहे तुरक, कोई कहे हिन्दू कोई बांचे भीस्त, कोई सुरबिन्दू कोई पढे बेद, कोई कथेद कोई ओढै नील, कोई सफेद।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभावश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

भूमि को उपजाऊ बनाने की चुनौती

इन दिनों बाढ़ और बारिश से देश का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न है। इसमें एक अंश खेती योग्य जमीन का भी है। अभी तो पानी की अध िकता है, लेकिन जब फसलों की सिंचाई का वक्त आता है तो पानी की कमी देखी जाती है और किसान नहरों में पानी आने का इंतजार करते हैं या फिर भूजल का दोहन करते हैं। भारत में बड़े पैमाने पर नहरों से सिंचाई पिछले सात–आठ दशकों से हो रही है। नहर–नालियों से होकर पानी जब खेतों में पहुंचता है तो अपने साथ कई तरह के लवण और विशेष रूप से सोडियम क्लोराइड यानी नमक भी कृषि भूमि पर ला छोड़ता है। भूजल में भी सोडियम क्लोराइड होता है। कहीं–कहीं तो कुछ ज्यादा ही, जो भूमि की उपजाऊ शक्ति घटाता है। नहरों के पानी या भूजल से आने वाले लवण मिट्टी की ऊपरी सतह में ही रह जाते हैं। इनकी मात्रा बढ़ती जाती है, क्योंकि उसे निकालने की कोई व्यवस्था नहीं है। जिन खेतों पर दशकों से सिंचाई हो रही हो, वहां लवणता की समस्या विकराल रूप लेती जाती है और भूमि की उत्पादन क्षमता घटने के साथ वह ऊसर बन जाती है। इस तरह के उदाहरण विभिन्न राज्यों की कृषि भूमि पर प्रायः देखे जाते हैं। चूंकि तटीय क्षेत्रों पर समुद्री तूफान, चक्रवात आदि का प्रकोप प्रायः होता रहता है इसलिए वहां समुद्री पानी, जो अत्यंत खारा होता है, भूमि की उत्पादन क्षमता एक–दो दिन में ही समाप्त कर देता है। इसके लिए एकमात्र निदान उपसतही जलनिकासी प्रणाली यानी सब–सर्फेस ड्रेनेज सिस्टम है। यह एक तरह की तकनीक है, जिसमें कई तरह की नालियां होती हैं। इन नालियों के माध्यम से भूमि से लवण को बाहर किया जाता है। चार दशक पहले इस तकनीक के नेटवर्क को सिर्फ मजदूरों की मदद से स्थापित किया जाता था। आज उन्हें पूर्णतः मशीनों की मदद से तेज गति से स्थापित किया जाने लगा है।

इस लवणीय भूजल का प्रयोग झींगा संवर्धन के उपयोग में लाया जा सकता है। कृषि विज्ञानियों तथा इंजीनियरों द्वारा विकसित उपसतही जलनिकासी तकनीक लवणता से ग्रस्त भूमि अथवा खारी मिट्टी वाली अनुपजाऊ भूमि को दो–तीन वर्ष में ही उपजाऊ बना देती है। बीते दशकों में नीदरलैंड की मदद से हरियाणा और कनाडा की मदद से राजस्थान में इस तकनीक का प्रयोग कर दोनों राज्यों में 20 से 40 हजार हेक्टेयर लवणता ग्रस्त एवं जलभराव से प्रभावित भूमि को कृषि योग्य बनाया गया। कृषि विज्ञानियों के शोध में यह ज्ञात हुआ कि जिन लवणता ग्रस्त खेतों पर उत्पादकता 500 किग्रा प्रति हेक्टेयर होती थी, वहां पर उपसतही जलनिकासी तकनीक से कृषि उत्पादकता 2000–2500 किग्रा प्रति हेक्टेयर हो गई। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि भारत में लवणता और जल भराव से प्रभावित क्षेत्रफल करीब 80–90 लाख हेक्टेयर है और आने वाले समय में यदि सही कदम नहीं उठाए गए तो यह क्षेत्रफल और अध िक बढ़ सकता है। यदि कृषि योग्य भूमि सुधार हेतु इस तकनीक का उपयोग समय से न किया जा सका तो समस्या विकराल रूप ले सकती है। इससे खाद्यान्न उत्पादन घट सकता है। भारत विश्व के 2.4 प्रतिशत भौगोलिक भूभाग एवं चार प्रतिशत जल संसाधन की मदद से अपनी अन्न संबंधी आवश्यकताएं पूरी कर रहा है। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण भारत अब चीन से आगे निकलकर प्रथम स्थान पर आ गया है। बढ़ती जनसंख्या और घटती हुई उपजाऊ भूमि कृषक समुदाय की वर्तमान पीढ़ी एवं भावी पीढ़ी को भी चिंतित किए हुए है। कृषि व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों में असुरक्षा की भावना न रहे, इसके लिए सब–सर्फेस ड्रेनेज सिस्टम अपनाना आवश्यक है। इस मामले में वर्तमान सरकार द्वारा सृजित सहकारिता मंत्रालय की भूमिका बहुत प्रासंगिक और उपयुक्त होगी। मृदा लवणता से प्रभावित राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब आदि में उपसतही जलनिकासी तकनीक के प्रयोग से लाखों हेक्टेयर अनुपजाऊ भूमि की मिट्टी के स्वास्थ्य को सतत उपजाऊ बनाए रखा जा सकता है। वर्तमान सरकार कृषक समुदाय को आत्मनिर्भर करने के लिए प्रयत्नशील है।

इसमें सफलता के लिए कृषि योग्य भूमि को उपजाऊ बनाए रखना आवश्यक है। भूमि की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए सिंचाई एवं जलनिकासी तंत्र की अवसंरचना को 2015 से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ने बहुत सशक्त किया है, पर भूमि से लवण निकालने का अभ्यास बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। स्पष्ट है कि भूमि सुधार को प्राथमिकता देना नितांत आवश्यक है।

आग से न खेलें

देश में आम चुनाव के लिये भले अभी काफी समय बाकी है लेकिन फिजाओं में स्वार्थपूर्ण राजनीति की विषैली हवा घुलने लगी है। राजनीतिक दलों के ध्रुवीकरण के साथ ही देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कुत्सित कोशिशें भी तेज होने लगी हैं। विपक्ष सत्तापक्ष पर अतिशय में आक्रामक है। विरोध के तल्ख तेवरों में देश की संसद में कामकाज लगभग ठप सा है। मणिपुर की शर्मनाक घटनाओं से देश आहत है। शीर्ष अदालत से लेकर देश की संसद तक मणिपुर की घटनाओं की गूंज है। जैसा कि हर बड़े चुनाव से पहले वातावरण विषाक्त व आक्रामक होता है, वही मंजर फिर उभर आया है। हर घटनाक्रम का सांप्रदायिक एंगल उभारा जा रहा है। जयपुर से मुंबई जा रही एक ट्रेन में रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के जवान ने फायरिंग करके एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर समेत तीन यात्रियों की हत्या कर दी। पहले तो इस घटना को विभागीय असंतोष की परिणति बताया गया। फिर कहा गया कि आरपीएफ जवान की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। कालांतर इस बाबत वायरल वीडियो में इसे राजनीतिक निष्ठा और सांप्रदायिक विद्वेष की परिणति बताया गया। कुछ अल्पसंख्यक नेताओं ने इस प्रवृत्ति को घातक बताते हुए सत्तारूढ़ दल के उस विमर्श को दोषी बताया जो समाज में विभाजनकारी सोच को प्रश्रय देता है। निश्चय ही यह घटना बेहद चिंता का विषय है कि जिन सुरक्षा बलों पर लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है वे देश के राजनीतिक विमर्श में लिप्त होकर कैसे अपने दायित्वों से विमुख होते हैं। जो हथियार उन्हें लोगों की सुरक्षा के लिये दिया गया है, उससे वे कैसे किसी की जान ले सकते हैं। यदि कथित रूप से उस जवान की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, तो क्यों उसे सुरक्षा का गुरुत्तर दायित्व दिया गया था? इस तरह के घटनाक्रम विपक्षी राजनीतिक दलों के उन आरोपों को बल देते हैं जिसमें वे सत्तारूढ़ दल के विभाजनकारी विमर्श से ध्रुवीकरण की राजनीति को प्रश्रय देने की बात कहते रहे हैं।

इस बीच नूंह की हिंसा ने देश को विचलित किया है। एक धार्मिक यात्रा के दौरान पथराव और आगजनी के बाद स्थिति चिंताजनक बनी। पुलिस थाने व धार्मिक स्थलों पर हमले हुए और बड़ी संख्या में वाहनों व अन्य संपत्ति को आग के हवाले किया। दुर्भाग्य से इस हिंसा में कुछ मौतें भी हुई हैं। कालांतर इस हिंसा की तपिश ने आसपास के इलाकों के साथ ही गुरुग्राम तक को अपनी चपेट में लिया। सवाल ये भी है कि सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाके में पर्याप्त सुरक्षा के अभाव में धार्मिक जुलूस को निकाले जाने की अनुमति की तार्किकता क्या है? ऐसा नहीं है कि यह घटना सिर्फ स्वतरूस्फूर्त ही थी। इस इलाके में पिछले कुछ समय में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिसने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को हवा दी। वातावरण में व्याप्त इस तनाव व गुस्से को राज्य की खुफिया एजेंसियों और पुलिस को महसूस करना चाहिए था। निस्संदेह, इस तरह की किसी भी सांप्रदायिक हिंसा से किसी का भला नहीं होता। आग में धू–धूकर जलते वाहन व संपत्ति किसी न किसी की जीवनभर की पूंजी को स्वाह करती है। इस आग में सांप्रदायिक सौहार्द भी स्वाह होता है। राजनीतिक हितों के लिये किसी भी तरह की सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिश दशकों से संजोकर रखी गयी सामाजिक समरसता को भी पलीता लगाती है। पुलिस–प्रशासन की विफलता कहीं न कहीं कांग्रेस समेत कतिपय विपक्षी दलों के उस आरोप को बल देती है कि घटनाक्रम ध्रुवीकरण की कवायद का हिस्सा है। निश्चय ही किसी भी तरह की हिंसा व बवाल देश के विकास को ही अवरुद्ध करता है। समाज के उस अंतिम व्यक्ति की रोजी–रोटी से भी खेलता है, जो रोज कुआं खोदकर पानी पीता है। निस्संदेह, यह घटनाक्रम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के हित में नहीं है। शेष दुनिया में भी इसका अच्छा संदेश नहीं जाता। वहीं हमारी विकास यात्रा को भी अवरुद्ध करता है, क्योंकि विदेशी निवेशक इस तरह की सामाजिक अशांति को सुगम कारोबार की राह में बड़ी बाधा मानते हैं। देश के राजनेताओं को बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक ध्रुवीकरण की कोशिशों से बाज आना चाहिए।

राजनैतिक दल के कार्यालय से 200 मीटर के अन्दर कोई मतदेय स्थल न बनाया जाये: निर्वाचन आयोग

1-21 अगस्त तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची के जॉच का कार्य किया जायेगा : जिला मजिस्ट्रेट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयवर चौहान ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों पर भौतिक सत्यापन, सम्भाजन हेतु कार्यक्रम निर्धारित किया है, जिसके अन्तर्गत मतदेय स्थल बनाने हेतु भवनों का चयन, पुनर्निर्धारण एवं भवनों का भौतिक सत्यापन 14 जुलाई 2023 से 24 जुलाई तक, मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन के पश्चात मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार करना 02 अगस्त 2023 से 07 अगस्त तक आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन 08 अगस्त 2023, वर्तमान संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीयध्राज्यीय राजनैतिक दलों के शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद अन्तिम रूप 16 अगस्त 2023 तक दिया जाना है।

आयोग द्वारा मतदेय स्थलों के चयन पुर्ननिर्धारण किये जाने हेतु निर्देश जारी किये गये है। जिसके अन्तर्गत मतदेय स्थलों की सूची में कोई सहायक मतदेय स्थल नहीं बनाया जायेगा, यदि नामों में त्रुटि हो तो उसे शुद्ध कराया जायेगा। विशेष परिस्थितियों में 300 से कम मतदाता वाले मतदेय स्थलों को यथावत रखा जायेगा। अत्यधिक पुरानेध्जर्जर भवन वाले मतदेय स्थल को उसी क्षेत्र में स्थित अन्य स्थायी भवन में स्थानान्तरित किया जायेगा। मतदेय स्थलों की दूरी लगभग 02 किलोमीटर अधिक न हो तथा यथासम्भव मतदेय स्थल भूतल पर ही सुनिश्चित किया जाय। राजनैतिक दल के कार्यालय से 200 मीटर के अन्दर कोई मतदेय स्थल न बनाया जाये। मतदेय स्थल निजी भवन, दुकान, सामुदायिक केन्द्र, विवाह घर, राजनैतिक व्यक्ति के घर के पास, मन्दिर, मस्जिद, चर्च, गुरूद्वारा या धार्मिक भवन में स्थापित न किया जाय। 1500 से अधिक मतदाता वाले मतदेय स्थल पर अतिरिक्त मतदेय स्थल बनाया जाय।

उपरोक्तानुसार जारी कार्यक्रमों के क्रम में समस्त उप जिलाधिकारी द्वारा मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन कराते हुए चयन एवं पुर्ननिर्धारण किया गया है जिसकी प्रति उपलब्ध कराते हुए प्रतिनिधियो से अनुरोध किया है कि उक्त सूची में यदि कोई सुझावध्आपत्ति हो तो प्रत्येक दशा में 07 अगस्त 2023 तक जिला निर्वाचन कार्यालय या संबंधित उप जिलाधिकारी के कार्यालय को प्राप्त करा दें ताकि उनकी जाँच कराकर मतदेय स्थल की शुद्ध सूची तैयार कर आयोग को अनुमोदन हेतु सम्प्रेषित की जा सके।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में बताया है कि एकीकृत निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन 17 अक्टूबर 2023, दावा आपत्ति दाखिल किये जाने की अवधि 17 अक्टूबर 2023 से 30 नवम्बर तक, विशेष अभियान की तिथिया, 28, 29 अक्टूबर, 04, 05, 25 व 26 नवंबर 2023 है। दावा आपत्ति के निस्तारण की तिथि 26 दिसंबर 2023, एकीकृत निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को किया जाएगा।

वर्तमान में आयोग के निर्देशों के अन्तर्गत निरन्तर पुनरीक्षण के अन्तर्गत 21 अगस्त तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची के जॉच का कार्य किया जायेगा जिसके अन्तर्गत उनके द्वारा 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले समस्त नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु फार्म एकत्र किया जाना, मतदाता सूची में विद्यमान मृतक डबल एवं शिफ्टेड मतदाताओं के सत्यापन किया जाना, 70 वर्ष आयुवर्ग के ऊपर के मतदाताओं का शत-प्रतिशत सत्यापन किया जाना, दिव्यांगजनों के चिन्हीकरण एवं उनके नामों को सम्मिलित कर टैगिंग किया जाना, शहरी क्षेत्रों में नये आवासीय कालोनियों के नागरिकों का सत्यापन कर छूटे हुये व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हेतु फार्म एकत्रीकरण किया जाना, निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मतदाताओं के आधार नम्बर एकत्रीकरण, थर्ड जेण्डर का सत्यापन किया जायेगा।

निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षण कार्य के दौरान शुद्ध, स्वस्थ, त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली तैयार किये जाने हेतु बीएलओ के सहयोग हेतु प्रत्येक बूथ पर बूथ लेविल एजेन्ट नामित कर उनकी सूची उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया है।

मोटर एक्सीडेंट क्लेम कार्यशाला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात देवेश सिंह, व निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला जी के अध्यक्षता में ष्मोटर एक्सीडेंट क्लेम ष कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के समस्त थाना से नामित उप निरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी को ष्मोटर एक्सीडेंट क्लेमष के संबंध में प्रशिक्षण धविस्तृत जानकारी दी गई इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा उपस्थित सभी अधिकारी/कर्मचारियों को इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेसष (iRAD APP) में सड़क दुर्घटनाओं की फीडिंग के संबंध में भी निर्देशित किया गया कि थाना क्षेत्र में होने वाले सड़क दुर्घटना स्थल पर तत्काल पहुंचकर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए सड़क दुर्घटना डिटेल्स को पत।क ।च्च में लाइव फीड करें व उससे प्राप्त केस आईडी से ही सीसीटीएनएस के डेसबोर्ड पोर्टल पर डाटा सिंक कराकर ि.प. त. पंजीकृत करें। सड़क दुर्घटना में कमी लाई जाने हेतु माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए रोड सेफ्टी एक्शन प्लान के तहत संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराएं ताकि सड़क दुर्घटना में गत वर्ष की अपेक्षा 50: की कमी लाई जा सके ।

अंत में उपस्थित सभी अधिकारीध्कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा जागरुकता के तहत यातायात नियमों के पालन की सपथ दिलाया गया, व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के द्वारा मौजूद सभी पुलिस कर्मियों को यह निर्देशित किया गया कि 01 सप्ताह के अन्दर सभी लोग अपनें वाहनो पर हाईसिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगवा ले तथा जब भी दो पहिया वाहन से निकले तो हेलमेट का उपयोग अवश्य करना सुनिश्चित करें । अन्यथा उसके बाद बिना हाईसिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट व दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेंट पाये जानें पर प्रवर्तनध्चालान की कार्यवाही किया जायेगा तथा इसके सम्बन्ध में अनुपालन के लिये सभी थानाध्यक्षों को पत्र भी निर्गत किया गया।

जिले में बढ़े आई फ्लू के मरीज,मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या जनपद में कंजेक्टिवाइटिस के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग चिंतित हैं। आई फ्लू से चपेट में आने वाले मरीजों की आंखों में 48 से 72 घंटे तक यह संक्रमण रहता है।स्वास्थ्य विभाग लोगों को इसके बारे में जागरूक कर रहा है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर श्वेता का कहना है, आई फ्लू वाले मरीजों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया, बीते कई दिनों से आई फ्लू के मरीजों की संख्या बढ़ी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों से अपील की गई है कि कंजेक्टिवाइटिस से पीड़ित व्यक्ति से थोड़ी दूरी बनाकर रखें। साथ ही कुछ सावधानियां भी बरतें। संक्रमित व्यक्ति से उसका बिस्तर, तकिया, गमछा आदि अलग कर दें।

कोई भी वस्तु छूने के बाद हाथों को साबुन से धुले। घर से जाते और आते समय हाथ अवश्य धुलना चाहिए। संक्रमित के लिए अलग कमरे की व्यवस्था करें । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. संजय जैन ने बताया, इन दिनों यह बीमारी व्यापक रूप से फैल रही है। यदि कोई व्यक्ति इससे संक्रमित हो जाए तो घर के शौचालय और स्नानघर की सफाई पर विशेष ध्यान देना है। अगर संक्रमण है तो आंखों पर काले चश्मे का प्रयोग करें और लोगों से दूरी बना लें।

संक्रमित व्यक्ति से दूसरों को भी संक्रमण का खतरा होता है। इसलिए संक्रमित व्यक्ति की आंखों के लिए अलग आई ड्राप रखना है। उन्होंने बताया कि चिकित्सीय परामर्श से ही आई ड्रॉप लेना चाहिए। आंखों को बार-बार छूना नहीं चाहिए।

दो नवजात शिशु अलग अलग स्थानों पर लावारिश हालात में मिलने से क्षेत्र में सन सनी

सुल्तानपुर- कलियुगी मां ने अलग-अलग स्थानों पर दो नवजात शिशुओं को लावारिस हालत में छोड़ा।कादीपुर कोतवाली क्षेत्र में सूरापुर और नहर के किनारे पटरी पर दो अलग-अलग मिले लावारिस नवजात शिशु।संवेदनहीन अज्ञात अभिभावकों के खिलाफ कादीपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज।कोतवाल रवि कुमार सिंह बोले,ऐसे संवेदनहीन अभिभावकों के खिलाफ दर्ज किया गया अभियोग। नवजात शिशु को कराया गया जिला अस्पताल में भर्ती। बाल कल्याण समिति विधि व्यवस्था के मुताबिक करेगी अज्ञात नवजात शिशुओं का पालन।

चोरों के हौंसले बुलंद ,ज्वेलरी की दुकान को बनाया निसाना

सुल्तानपुर – ज्वेलरी की दुकान पर चोरी होने से मचा हड़कंप, करीब 7 किलो चांदी और 35 से 40 ग्राम सोना हुआ चोरी, CCTV की हार्ड डिस्क भी उठा ले गए शातिर चोर, सुबह ताला टूटा देख स्थानीय लोगों ने सर्राफा व्यवसाई को दी सूचना, इसके पहले भी गारवपुर में चोरों ने किराना की दुकान में हजारों की चोरी की वारदात को दिया था अंजाम, आज तक किराना व्यवसाई का नही दर्ज हुआ केस, चोरी की घटनाओं को छिपाने और मैनेज करने में जुटी चांदा पुलिस, चांदा कोतवाली के गारवपुर चौकी क्षेत्र के हरदासपुर गांव का मामला.

इसौली के पूर्व विधायक अबरार अहमद का निधन

सुलतानयु सपा नेता व पूर्व विधायक अबरार अहमद का हृदयाघात से हुआ निधन 73 वर्षीय अबरार अहमद दो बार विधायक और तीन बार जिला पंचायत सदस्य रह चुके हैं सपा के कद्दावर नेताओं में शुमार थे अपने कार्य क्षेत्र में कई कामों के साथ-साथ एक बहुत बड़ा काम बल्दीराय तहसील स्थापित कराने में आपका सराहनीय संघर्ष रहा है जिसको हमेशा के लिए याद किया जाएगा। इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान समेत सभी समाजवादियों एवं क्षेत्र के आवाम में मिट्टी की खबर सुनते ही शोक की लहर दौड़ गई। इनकी मिट्टी दोपहर 1रू30 बजे अपने निवास स्थान ग्राम अजुई के कब्रिस्तान में होगी।

भू-माफिया के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। जनपद गोण्डा अर्न्तगत गिर्द गोण्डा ग्रामीण में स्थित तालाब भूमि को अपना बताकर प्लाट की बिक्री कर चुके भू-माफिया के विरुद्ध स्थानीय निवासी सुमित श्रीवास्तव पुत्र गायत्री प्रसाद श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक से मिलकर निष्पक्ष जांच कराते हुऐ दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक गोण्डा को दिये गये पत्र में सुमित श्रीवास्तव ने दर्शाया है कि उन्होंने अपनी माता श्रीमती शीला श्रीवास्तव पत्नी गायत्री प्रसाद श्रीवास्तव के नाम बैनामा गाटा संख्या-641मि. स्थित ग्राम गिर्द गोण्डा ग्रामीण परगना तहसील एवं जिला गोण्डा में 159.20 वर्ग मीटर रामदेव सिंह पुत्र स्व. हरिद्वार सिंह निवासी ग्रा. गूंगी देई, गोण्डा से आवासीय प्लाट लिया था। और निर्माण कराना शुरू किया तभी वहाँ के निवासियों ने अवगत कराया निर्माणाधीन भूमि तालाब पर पटवा कर आपको बेचा गया है। जानकारी होने पर निर्माण रुकवा कर प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर निवेदन किया, कि मेरे साथ जगदीश प्रसाद एवं विनोद कुमार पुत्रगण कृष्ण चदर निवासी छेदी गोण्डा तथा रामदेव विदं पुत्र हरिद्वार सिंह यह द्वारा फ्राड किया गया क्योंकि यह जमीन जगदीश प्रसाद एवं विनोद कुमार ने रामदेव सिंह को बेचा जबकि रामदेव सिंह ने उपरोक्त जमीन पर फ्लाटिंग कराकर हम लोगों को बेचा। जिसमें 857.55 वर्ग मीटर तालाब पटवाकर बेच दिया जो कि क्रम किये गये भूमि से ज्यादा है।

सुमित श्रीवास्तव ने जिले एवं मण्डल के सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीयों से उपरोक्त दबंग भू माफियों के विरुद्ध मुकदध्मा दर्ज करकर हम लोगों को न्याय दिये जाने का आग्रह किया है।

मानसिक रोगों से बचाव एंव उपचार के सबंन्ध में गोष्ठी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज सामु०स्वा०केन्द्र अहिरोरी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा०रोहताश कुमार के निर्देशन में विशेष मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया , जिस शिविर में कुल 104 मरीज देखे गये एंव मानसिक रोग सम्बन्धित औषधियां वितरित की गयी, तथा शिविर में उपलब्ध आशाओं एंव आये हुये समस्त जन मानस को मानसिक रोगो से बचाव एंव उपचार के सबंन्धा में गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन डा० मनोज कुमार सिंह अधीक्षक सामु०स्वा०केन्द्र अहिरोरी के द्वारा किया गया । जिसमें चिकित्सा अधिकारी डा०जय प्रताप सिंह मानसिक रोग विशेषज्ञ श्रीमती अंशू सूरी, साईक्रेटिक शोशल वर्कर श्री विकास गुप्ता निरीक्षण एंव मुल्याकन अधिकारी श्री संजय कुमार वर्मा, कम्युनिटी नर्स श्री भूपेन्द्र प्रताप सिंह, सी०आर०ए० श्री बरूण कुमार वार्ड असिस्टेन्ट आशा एंव ए०एन०एम० एंव समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश में समाजवादी पार्टी अकेली सबसे बड़ी सोशलिस्ट पार्टी है : पूर्व मंत्री आर के चौधरी

पूर्व विधायक अनिल वर्मा ने समाजवादी पार्टी के सदस्यता अभियान शिविर का किया आयोजन

हरदोई। हरदोई सदर विधानसभा के ग्राम चाँद बेहटा के बेरिहाना में समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी, पूर्व विधायक अनिल वर्मा ने समाजवादी पार्टी के सदस्यता अभियान शिविर का आयोजन किया। शिविर में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आर के चौधरी जी व पूर्व एमएलसी आनंद सिंह भदौरिया ने शिविर में पार्टी के कार्यकर्ताओं व आम जनता को समाजवादी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई। सदस्यता शिविर को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री आर के चौधरी ने कहा कि सपा का कार्यकर्ता निडर, मेहनती व ईमानदार है। कहा, देश में समाजवादी पार्टी अकेली सबसे बड़ी सोशलिस्ट पार्टी है। समाजवादी पार्टी में सभी जाति धर्म के लोग कार्य कर रहे हैं व सपा हर जाति, वर्ग, धर्म के लोगों का सम्मान करती है। कहा, सपा सरकार में सभी जाति वर्ग के लोगों को बराबर हक व सम्मान दिया गया। इसलिए पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि समाजवादी पार्टी में हर जाति वर्ग के लोगों को सदस्य बनाकर पार्टी का जनाधार बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि हरदोई में जिस उत्साह से लोग पार्टी की सदस्यता ले रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि सदस्यता में हरदोई यूपी में टॉप करके प्रथम स्थान हांसिल करेगा। पूर्व एमएलसी आनंद सिंह भदौरिया ने कहा कि नौजवानों व आम जनता में सदस्य बनने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नि सपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा जीतू ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं का हौसला बुलंद है व सभी नेता कार्यकर्ता मिलकर बड़ी संख्या में समाजवादी परिवार में शामिल हो रहें हैं। सपा की ताकत लगातार बढ़ रही है। पूर्व प्रत्याशी अनिल वर्मा ने कहा कि हरदोई सदर विधानसभा के प्रति बूथ पर 50 प्रारम्भिक व 1 सक्रिय सदस्य बनाने का कार्य कर रहा हूँ। उन्होंने कहा, हरदोई की जनता ने 88 हजार वोट दिया है और वे 5 साल जनता के बीच रहकर जनता व कार्यकर्ताओं के सुख दुःख में खड़े रहेंगे। बोले, आने वाले चुनाव में जनता का स्नेह, आशीर्वाद समाजवादी पार्टी को मिलेगा। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित बाजपेई, पूर्व राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी रामज्ञान गुप्ता, पूर्व यूथ अध्यक्ष हरिनाम यादव, पूर्व यूथ अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह गोलू, पूर्व व्यापार सभा अध्यक्ष सुधीर गुप्ता मिन्ना, अनिल यादव, सुधीर यादव, नि ब्लॉक अध्यक्ष संतोष वर्मा, पंकज यादव, मनीष वर्मा सहित पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री अयोध्या सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज में वाइस कैप्टन का चुनाव सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री अयोध्या सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज चिनहट लखनऊ में विद्यालय में वाइस कैप्टन का चुनाव सम्पन्न कराया गया। जिसमें कक्षा 11 के विद्यार्थी उम्मीदवार के रूप में खड़े किये गये थे। वाइस कैप्टन की चुनाव प्रक्रिया लोकतांत्रिक मतदान शैली में गोपनीय ढंग से सम्पन्न करायी गई। मतदान प्रक्रिया में कक्षा 8 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। चुनाव प्रक्रिया लोकतांत्रिक ढंग से कराए जाने का उद्देश्य बच्चों को लोकतंत्र चुनाव से अवगत कराया जाना था। इस विषय में विद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी पूजा सिंह का कहना था कि चुनाव प्रक्रिया से बच्चे भली-भांति परिचित हों इसके लिए बच्चों को इलेक्शन की विधिवत् जानकारी प्रैक्टिकली ज्यादा अच्छे ढंग से समझ आती है। इसलिए इस बार विद्यालय में वाइस कैप्टन का चुनाव लोकतांत्रिक मतदान शैली में कराया गया। मतदान का परिणाम 3 अगस्त 2023 को घोषित किया जाएगा।

मतदान के दौरान विद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी पूजा सिंह, प्रधानाचार्या अनीता मिश्रा सहित श्री शैलेन्द्र सिंह एवं सिम्मी वर्मा मौजूद थी। विद्यालय में चार हाउस अग्नि, आकाश, जल और पृथ्वी हैं। प्रत्येक हाउस से किसी एक का चयन किया जाना है। उम्मीदवारों में अग्नि हाउस से अभिषेक कुमार, छवि चौरसिया, गौरव यादव, वैष्णवी सिंह थे। आकाश हाउस से मोहम्मद अयाज, महिमा गुप्ता, साक्षी चौरसिया, व स्तुति श्रीवास्तव उम्मीदवार थे। जल हाउस से दीक्षा सिंह, मोहम्मद नोमान, प्रिंसी भारती, सत्यम कुमार के बीच उम्मीदवारी थी। पृथ्वी हाउस से अंशिका त्रिपाठी, नीतिश कुमार साहू, शिवम पटेल, और वैष्णवी यादव उम्मीदवार रहे।

एलपीएस में इण्टरब्रांच इंग्लिश डिबेट प्रतियोगिता सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज के बी-ब्लॉक राजाजीपुरम स्थित एसपी लाइसियम प्रेक्षागृह एवं लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए-ब्लॉक, राजाजीपुरम में इण्टरब्रांच अंग्रेजी डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्राइमरी से कक्षा-12 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर ए.के.सेन गुप्ता मुख्य अतिथि तथा जूरी मेम्बर्स के रूप में मनु शर्मा, जयश्री कृष्णा, सोनम त्रिपाठी तथा आशी उपाध्याय उपस्थित रहीं। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक सुशील कुमार एवं निरीक्षण मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में ग्रुप 'ए' से ए-ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा की आद्रिका सिंह व आकर्ष सिंह विजेता एवं लखीमपुर खीरी शाखा की अविका शर्मा व यशस्वी पटेल उपविजेता रहे। ग्रुप 'बी' से गोमती नगर शाखा की दक्षी अग्रवाल तथा दिविशा तोमर विजेता व आनन्द नगर शाखा की कनिशा गुप्ता व वर्तिका सोनकर उपविजेता रहीं। ग्रुप 'सी' से ए-ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा की सारा अजीम व अर्शिता सक्सेना विजेता तथा आम्रपाली योजना शाखा के अयान अख्तर व अर्पिता उपविजेता रहे। ग्रुप 'डी' से आम्रपाली योजना शाखा के धनन्जय सिंह व जिकरा तौसीफ विजेता व गोमती नगर शाखा के अदम्य सिंह व अदिति सिंह उपविजेता रहे।

ग्रुप 'ए' से आम्रपाली योजना शाखा के आद्या अवस्थी, ग्रुप 'बी' से गोमती नगर शाखा की दाक्षी अग्रवाल, ग्रुप 'सी' से ए-ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा की सारा अजीम व सहारा स्टेट्स जानकीपुरम शाखा की समृद्धि सिंह व ग्रुप डी से धनन्यज सिंह सब्रश्रेष्ठ वक्ता चुने गये।

डीएम व सीओ सिटी को ज्ञापन के माध्यम से जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था की मांग

अयोध्या।जिला अस्पताल में तैनात डॉक्टर और मरीज के तीमारदार से मारपीट का मामले को लेकर डॉक्टरों ने गुरुवार को जिलाधिकारी नीतीश कुमार और सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर जिला चिकित्सालय परिसर सुरक्षा व्यवस्था की मांग किया। ज्ञापन देने वाले चिकित्सकों की मांग रही जिला चिकित्सालय परिसर में चौबीस घंटे एक उप निरीक्षक सहित पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाये।बता दें कि बुधवार को सुबह जिला अस्पताल में डॉक्टर और मरीज के तीमारदारों के बीच किसी बात को लेकर मारपीट की घटना हुई थी।ज्ञापन के माध्यम से चिकित्सकों ने बताया कि इस घटना में जिला चिकित्सालय में तैनात दो डॉक्टर घायल हो गए थे। जिसमें बुधवार को कोतवाली नगर में डॉक्टरों की ओर से दी गई तहरीर में तीमारदार के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था।चिकित्सक की मांग रही कि अभी तक पुलिस ने तीमारदारों की गिरफ्तारी नहीं किया है।जिनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी और एसएसपी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन देने वाले डॉक्टरों में आईएमए के सचिव डॉ आशीष श्रीवास्तव व डॉक्टर नानक शरन ने संयुक्त रुप से बताया कि ऐसी घटनाओं से हमारा पूरा अस्पताल प्रशासन भयमीत है आए दिन ऐसी घटनाएं अस्पताल में होती रहती है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक है महिला सम्मान बचत पत्र : पी के सिंह

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या जनपद में महिला सम्मान बचत पत्र योजना ने पकड़ रही रफतार महिलाएं अपने भविष्य को आर्थिक पंख लगाने के लिए डाकघर की सर्वाधिक ब्याज वाली योजना में अप्रेल से अब तक सैकडों महिलाओं ने अयोध्या के डाकघरों में निवेश किया । अयोध्या प्रधान डाकघर में भारत सरकार के द्वारा शुरू की गई महिला सम्मान बचत पत्र योजना को और गति देने के लिए महिला ग्राहक के लिए जागरूक अभियान चलाया गया दो दर्जन से अधिक महिलाओं को चाभी का छल्ला भी भेंट किया गया साथ ही आने वाली महिलाओं को योजना के बारे में बताया गया । दूसरी ओर महिला ग्राहकों को प्रोत्साहित करने के लिए डाक विभाग ने सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जहाँ महिला सम्मान बचत पत्र के साथ अपनी फोटो ले रही हैं। दर्जनों महिलाओं को चाभी का छल्ला भेंट करते हुए अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर पी के सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने महिलाओं की निवेश में भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए छोटी बचत योजना के तहत एक नई स्कीम महिला सम्मान बचत पत्र की शुरुआत 1 अप्रैल 2023 से किया गया । जिसमें सिर्फ महिलाएं ही निवेश कर सकती है यह महिला सम्मान बचत पत्र योजना कम समय में ज्यादा रिटर्न का लाभ देगी । महिला सम्मान बचत पत्र के अंतर्गत न्यूनतम 1000 अधिकतम 2 लाख निवेश किया जा सकता है महिला सम्मान बचत पत्र में केवल 2 साल में 7.5 फीसदी का ब्याज मिलेगा । एक बार निवेश करने के बाद तीन माह बाद ही दूसरा निवेश किया जा सकेगा । एक वर्ष बाद जमा राशि में से 40: राशि निकाली भी जा सकेगी

इस दौरान अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर पी के सिंह ने कहा कि महिलाओं व बालिकाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए आम बजट में घोषित श्महिला सम्मान बचत पत्र योजनाश अब सभी डाकघरों में उपलब्ध है। योजना में 2 साल के लिए घ2 लाख तक जमा किए जा सकेंगे, जिस पर 7.5: ब्याज देय होगा। साथ ही कहा कि श्नारी शक्ति का स्वाभिमान, भारत की पहचानश है इस महिला सम्मान बचत पत्र योजना से नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी एवं यह महिला सम्मान बचत पत्र महिलाओं के भविष्य को संवारते हुए उनके सपनो को पंख लगायेगा द्य यह खास योजना महिलाओं कम समय में अधिक ब्याज देगा जिससे महिलाओं को उच्च शिक्षा जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक सेवाओं की सौगात देने के साथ–साथ भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर भी रोक लगायेगा और नारी सशक्तिकरण को बल प्रदान करेगा द्य इस दौरान सीनियर पोस्टमास्टर राजेन्द्र सिंह, सहायक पोस्टमास्टर दीपक तिवारी, मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह जय शंकर प्रसाद वर्मा आदि मौजूद रहे।

विश्व कल्याण के निमित्त सरयू तट पर हुआ रुद्राभिषेक, हवन एवं भंडारा

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या मां सरयू के तट पर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में विश्व कल्याण के निमित्त रुद्राभिषेक व हवन पूजन के साथ भंडारा आयोजित किया गया। यह आयोजन देर रात तक चलता रहा। उसके बाद नमामि सेवा संस्थान के अध्यक्ष राजा महाराज के सानिध्य में मां सरयू का पूजन व संध्या आरती सभी भक्तों द्वारा की गई। इस धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान घुरेहटा निवासी यूको बैंक के मैनेजर अशोक दूबे व उनकी धर्मपत्नी कृष्णावती दूबे तथा पुरोहित प्रतापगढ़ निवासी पंडित दुर्गा प्रसाद रहे।

कार्यक्रम में भागीदारी निभा रहे भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं अयोध्या जिलाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार बलराम तिवारी ने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव भगवान की कृपा से पिछले पंद्रह वर्षों से प्रत्येक चतुर्दशी उपरांत पूर्णिमा को रुद्राभिषेक एवं हवन तथा भंडारे का आयोजन हो रहा है। विश्व कल्याण के लिए रूद्राभिषेक और भण्डारा अनवरत जारी है। उन्होंने बताया कि इसके पहले कई बार बद्रीनाथ, अमरकंटक, विंध्याचल, पांडुकेश्वर, उत्तरकाशी के साथ विभिन्न तीर्थ स्थलों पर यह आयोजन हो चुके हैं। गुरुदेव भगवान के शिष्यों के घर पर भी ऐसे धार्मिक अनुष्ठान चलते रहते हैं। जून महीने का अनुष्ठान विन्ध्यपर्वत पर मोती तालाब के निकट गुरुदेव भगवान की तपस्थली सिद्ध पीठ हनुमान मंदिर पर हुआ था। इस बार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि श्री अयोध्या धाम में यह आयोजन किया गया। इस अनुष्ठान में काफी महिला, पुरुष, बच्चे व बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण की भावना के साथ हवन में आहुति दी। संध्या बेला में सभी भक्तों ने नमामि सेवा संस्थान द्वारा आयोजित मां सरयू का पूजन व संध्या आरती की।इस मौके पर गुरुदेव भगवान के प्रथम शिष्य अमेठी निवासी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि गुरुदेव भगवान ने मध्यप्रदेश के अमरकंटक से उत्तराखंड के उत्तरकाशी में साधना के लिए जाते उनके घर पर अखण्ड दीप प्रज्ज्वलित किया था। जो अनवरत प्रकाशमान रहकर भक्तों को निरंतर ज्ञान एवं आस्था का प्रस्फुटन कर रहा है।

इस धार्मिक अनुष्ठान में संतोष परिहार, गुड्डू परिहार, पवन तिवारी, जय नारायण शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार पवन पाण्डेय, ओमप्रकाश तिवारी, सुरेंद्र सिंह, मदन चंद्र ओझा, हरि सिंह, रामसुख वर्मा, रामकृपाल यादव, डॉक्टर घायल, श्याम नारायण, राकेश तिवारी, अजय यादव, वरिष्ठ पत्रकार वेद प्रकाश मिश्र, सुभाष यादव, विपिन तिवारी, हनुमान मंदिर के महंत राजेन्द्र दास आदि सैकड़ों लोगों ने हवन–पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया। देर रात तक सरयू तट पर भोजन प्रसाद का वितरण होता रहा। इसके पहले सभी श्रद्धालुओं ने धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, विश्व का कल्याण हो की भावना के साथ मां सरयू का पूजन एवं आरती कर भगवान से विश्व कल्याण की प्रार्थना की।

जुआ खेलते आधा दर्जन गिरफ्तार ताश की गड्डी और नकदी बरामद

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या जिले के बीकापुर कोतवाली पुलिस टीम द्वारा कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर गांव के पास मंगलवार शाम तमसा नदी के किनारे जुआ खेलने की सूचना पर छापामारी की गई। मौके पर 6 आरोपियों को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से ताश के 52 पत्ते व माल फड 11200 रुपये नकद बरामद हुआ है।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार राय ने बताया कि जुआ खेल रहे गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अजय मिश्रा निवासी बिहारीपुर थाना पूराकलन्दर, जय प्रकाश वर्मा, निवासी परसोंडा थाना हर्रैया जनपद बस्ती, रत्नेश जयसवाल निवासी खानपुर मसौधा थाना पूराकलन्दर, ओम प्रकाश चौहान निवासी बक्स पूरे बाबा का पुरवा थाना पूराकलन्दर, शशि प्रकाश निवासी गद्दोपुर थाना कैण्ट अयोध्या, सुनील कुमार सिंह निवासी अशरफपुर डाभासेमर थाना कैण्ट अयोध्या शामिल हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध 13 जुआ अधिनियम के तहत केस दर्ज करके बुधवार को चालान किया गया है।

अव्यस्थाओं की भेंट चढ़ा निर्माणाधीन रूप राम पथ

अयोध्या।

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

'सीवर लाइन निर्माण में हो रही खुदाई के चलते स्कूली बच्चों सहित आम जनता को हो रही खासा परेशानी'।

सुबह स्कूली बस टैक्सी से स्कूल जाने वाले बच्चो को भीषण गर्मी में तय करना पड़ रहा लंबा रास्ता।

अभिभावकों को भी हो रही खासी परेशानी।

बिना किसी पूर्व सूचना के खोदी जा रही सड़क।

खुदी सड़क पर धूल का गुबार लोगों के स्वास्थ पर पड़ रहा बुरा प्रभाव जिले में बढ़ रहे सांस के मरीज

सीवर लाईन की खुदी सड़क का नही हो रहा पुनः निर्माण।

पुनर्निर्माण में घटिया सामग्री लगाने से धसी सड़के।गुलाब बाड़ी रोड पर धसी सड़क।

जिला प्रशासन से आम जनता की गुहार विकास कार्यों के दौरान आम जनता को हो रही परेशानी का रखा जाए ध्यान।निर्माण कार्यों की भी हो बेहतर ढंग से जांच।

श्री राम जन्म भूमि के शिलान्यास के वर्षगांठ के उपलक्ष्य में निकाली गई भव्य कलश यात्रा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।भगवान श्री रामचंद्र का भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है राम भक्तो में उत्साह की लहर है वही रघुवंशी अयोध्या वासी सेवा संस्थान अयोध्या शिलान्यास का वर्षगांठ मना रहा है संस्था द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम मंगलसी(काली देवन मंदिर)पोस्ट सोहावल अयोध्या में रखा गया है जहां प्रथम दिवस कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें लगभग हजारों महिलाए सामिल हुई संस्था के अध्यक्ष लवकुश चौरासिया जी ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए लोगो से अपील की 4 अगस्त अखण्ड रामायण और 5 अगस्त को श्री राम जन्म भूमि शिलान्यास के उपलक्ष में भव्य मेले में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर कार्य क्रम को सफल बनाए। नीरज साहू जीने कार्य क्रम में सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

चार अगस्त को होगा सुंदरकांड पाठ, हवन, पूजन, प्रसाद वितरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नगर महापालिका कर्मचारी यूनियन, लखनऊ के स्वर्णिम 50 वर्ष 2023 में पूरे कर लिए हैं। इस उपलक्ष्य में कर्मचारी यूनियन की ओर से चार अगस्त को संगीतमय सुन्दरकाण्ड का पाठ तदोपरान्त पूजन एवं हवन का कार्यक्रम अपराह्न 01:00 बजे से प्रारम्भ होगा। इस कार्यक्रम में पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल , नगर आयुक्त व अन्य अधिकारीगण एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेन्द्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

जिलाधिकारी ने वन स्टॉप सेन्टर में वृक्षा रोपण कर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

उमाकान्त लाला , ब्यूरो चीफ

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने वन स्टॉप सेन्टर का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्था देखी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रशासनिक कक्ष , कार्यालय कक्ष , महिला शक्ति केन्द्र , प्रशिक्षण कक्ष , पैरामेडिकल कक्ष , पैरालीगल कक्ष , आश्रय गृह , काउन्सलर कक्ष आदि का गहनतापूर्ण निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वनस्टॉप परिसर में वृक्षारोपण भी किया। सखी वनस्टॉप सेन्टर के परिसर में गंदगी पाये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये वनस्टॉप सेंटर परिसर में एक सप्ताह के भीतर सफाई करवाने तथा वृक्षारोपण करवाने हेतु जिला प्रोवेशन अधिकारी गौरव मिश्रा को निर्देशित किया।

गौरव मिश्रा ने जानकारी देते हुये बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थाई आश्रय , पुलिस सहायता , विधिक सहायता , चिकित्सा एवं काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। विभाग द्वारा लगातार पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए कार्य कर रहा है । तथा सेंटर पर पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एकीकृत रूप से सहायता – सहयोग , तत्काल आपातकालीन एवं गैर आपत्कालीन सुविधा , चिकित्सा , विधिक सहायता , मनोवैज्ञानिक परामर्श आदि सहायता उपलब्ध करायी जाती है। लक्षित समूह के तौर पर हिंसा से पीड़ित महिलाएं जिसमें 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाएं भी सम्मिलित हैं, उन्हें भी सहायता प्रदान की जाती है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि वन स्टॉप सेन्टर का उद्देश्य महिलाओं का सशक्तीकरण करते हुये उनमें सुरक्षा के भाव को उत्पन्न करना है। जिलाधिकारी ने व्यापक रूप से जनजागरूकता अभियान चलाते हुये महिलाओं को शासन से संचालित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराये जाने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं में आत्मविश्वास विकसित करने और उनकी सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जाए। तथा हिंसा या अपराध से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं की सहायता के लिए महिला सशक्तिकरण केंद्र के रूप में सखी वन स्टाप सेंटर की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेन्टर पर आने वाली पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं की काउन्सलिंग कर उन्हे आवश्यक सहायता प्रदान की जाये।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रोवेशन अधिकारी गौरव मिश्रा , वन स्टॉप सेंटर केंद्र प्रबंधक नमिता यादव उपस्थित रहे।

अयोध्या में जुटेंगे देश भर के रक्तदाता,201 रक्तवीरों को मिलेगा राष्ट्रीय सेवा रत्न अवॉर्ड

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या। आगामी 21 सितम्बर को अयोध्या में पूरे देश के रक्तदाता जुटेंगे और प्रभू राम जी की जन्मभूमि अयोध्या में ब्लड डोनेट कर प्रभु राम के चरणों में ब्लड अर्पित करेंगे जिससे अयोध्या धाम में खून की कमी से किसी मरीज या श्रद्धालु की मौत न हो।

उक्त संबंध में राम कृष्ण सेवा फाउन्डेशन के पदाधिकारी व सदस्यों की एक तैयारी बैठक जिले के आभा होटल के सभागार में समाजसेवी उत्तम बंसल जी के अध्यक्षता में किया गया।

संस्था अध्यक्ष आकाश गुप्त ने कहा कि लोग जानकारी के अभाव में ब्लड डोनेट नही करते जबकि प्रतिदिन हजारों लोगों की मौत खून की कमी के कारण होता है। युवा रक्तदान के लिए जागरूक हो सकें इसके लिए देश के सभी राज्य और उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के रक्तदान से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का

राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी २१ सितम्बर को किया गया है और इसी दिन राष्ट्रीय रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है जिसमें में देश के हर हिस्से के लोग रक्तदान करेंगे, और इस मौके पर देश के 201 रक्तदाताओं और समाजसेवियों को राष्ट्रीय सेवा रत्न अवॉर्ड से सम्मानित भी किया जायेगा जिससे युवा वर्ग उनसे प्रेरणा ले सकें।

संस्था संरक्षक राजेश चौबे जी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल महामहिम आनंदी बेन पटेल व उपमुख्य मंत्री बृजेश पाठक को और विशिष्ट अतिथि के लिए सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, मेयर गिरीश पति त्रिपाठी, हाकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद जी के पुत्र व ओलंपियन अशोक कुमार ध्यानचंद, ओलंपियन सुजीत कुमार, विश्व विख्यात पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा, पद्मश्री मो शरीफ सहित देश की बड़ी हस्तियो को आमंत्रित किया जायेगा।

आयोजन सचिन प्रतीक कुमार वैश्य ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा रत्न अवॉर्ड के लिए पूरे देश से आन लाइन आवेदन लिया जा रहा है जिनका चयन ५ सदस्यीय समिति द्वारा किया जायेगा। चयन समिति में वाराणसी से प्रदीप इसरानी, बलरमपुर से आलोक अग्रवाल और मुम्बई से मिन्हाज सुगरा शामिल है। बैठक में शिक्षाविद व देहदानी अमर नाथ तिवारी, उद्यमी प्रतीक भज्जा, समाजसेविका रत्ना जायसवाल,

समाजसेवी शैलेंद्र तिवारी, वृद्धा आश्रम से जुड़े अमरेश चन्द मिश्र, उपाध्यक्ष इंद्रप्रीत सिंह वेदी और आकाश सिंह, महासचिव विजय वर्मा,सचिव शशि रावत, लोकगीतकार राजकुमार शर्मा सदस्य अंशिका सिंह ने उक्त आयोजन के संबंध में अपने विचार व्यक्त किया।

एकेटीयू के छात्रों को नौकरी पाने का है सुनहरा मौका

अगस्त में एप्टीटेक एजुकेशन कंपनी कराने जा रही है कैंपस प्लेसमेंट, बीटेक और एमसीए छात्रों को मिलेगा अवसर, चयनित छात्रों को कंपनी देगी आकर्षक पैकेज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के छात्रों को नौकरी पाने का सुनहरा मौका है। शिक्षा के क्षेत्र की नामी कंपनी एप्टीटेक एजुकेशन विश्वविद्यालय में इसी महीने वर्चुअल माध्यम से कैंपस प्लेसमेंट कराने जा रही है। जिसमें शामिल होने के लिए छात्र 5 अगस्त तक पंजीकरण करा सकते हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट में बीटेक व एमटेक सीएस और आईटी के अलावा एमसीए के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। कंपनी न केवल चयनित छात्रों को आकर्षक पैकेज देगी बल्कि बेहतर पद भी मिलेगा।

कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय के निर्देशन में इस कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन इसी महीने किया जा रहा है। इसमें 2023 बैच के पासआउट बीटेक और एमटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और एमसीए के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। कैंपस प्लेसमेंट में शामिल होने के लिए छात्रों को 5 अगस्त तक पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद कंपनी की ओर से परीक्षा का आयोजन होगा। जिसमें सफलता के बाद इंटरव्यू लिया जाएगा। इंटरव्यू में सफल छात्र को कंपनी की ओर से बतौर सीनियर टेक्निकल ट्रेनर जयपुर में नियुक्त किया जाएगा। वहीं अंतिम रूप से चयनित छात्र को कंपनी की ओर से सालाना पांच से साढ़े पांच लाख रूपये दिया जाएगा। वहीं चयनित छात्र का चार महीने प्रशिक्षण पीरियड रहेगा। इस दौरान कंपनी की ओर से रहने खाने आदि की व्यवस्था की जाएगी। चयनित छात्र को कम्प्यूटर भाषा सहित कम्यूनिकेशन स्किल पर पकड़ होना जरूरी है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग की डीन प्रो0 अरूमिणा वर्मा के नेतृत्व में इस कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि इसमें छात्र शामिल होकर एजुकेशन के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं। कंपनी में चयनित छात्र को काफी अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। वहीं कैरियर के लिहाज से भी काफी ग्रोथ होगा। आपको बता दें कि पिछले दो तीन महीनों में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों की आधा दर्जन मल्टीनेशनल में काम करने का मौका मिला है।

समाजसेविका रजनी प्रकाश के नेतृत्व में अलबेली सखियों ने मनाया सावन स्पेशल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाज सेविका रजनी प्रकाश के नेतृत्व में रूबी वर्मा के घर पर सावन स्पेशल अलबेली सखियों के साथ मनाया गया। अलबेली सखियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजक संगीता वर्मा, एंकरिंग का कार्य समाज सेविका रजनी प्रकाश एवं शालिनी पाण्डेय द्वारा किया गया। सावन स्पेशल में महिला ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और खूब मस्ती किया।सावन स्पेशल में जिन अलबेली सखियों ने हिस्सा लिया उनमें सविता सिंह,पुष्पा चौधरी, स्वीटी श्रीवास्तव, ज्योति मिश्रा,इन्दु शर्मा, पूनम श्रीवास्तव,सविता सिंह, शाबू , पूनम शुक्ला, रूबी वर्मा, संगीता वर्मा, अंजलि श्रीवास्तव, ज्योति मिश्रा, पूजा श्रीवास्तव, अनुपमा, इन्दु शर्मा पूनम शुक्ला, सविता सिंह, शालू, मानसी वर्मा, पल्लवी शर्मा, रचना श्रीवास्तव प्रमुख रहीं।

जिलाधिकारी ने बाल संरक्षण गृह का किया आकस्मिक निरीक्षण

उमाकान्त लाला , ब्यूरो चीफ

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने राजकीय बाल संरक्षण गृह (बालक) का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ – सफाई व्यवस्था , भोजन की गुणवत्ता , सुरक्षा व्यवस्था तथा स्वास्थ्य की जांच आदि का गहनता पूर्ण निरीक्षण कर जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बाल संरक्षण गृह में पौधरोपण भी किया। इस दौरान उन्होने बाल संरक्षण गृह में मौजूद बच्चो से वार्ता कर उन्हे मिलने वाली सुविधाओं के विषय में भी जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने राजकीय बाल सरंक्षण गृह के अधीक्षक को कड़े निर्देश दिये कि भोजन की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न हो यह सुनिश्चित किया जाये। बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराये जाने के लिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों की काउंसलिंग करवाकर एक प्रोफाईल तैयार की जाये तथा काउंसलिंग के अनुसार बच्चों को आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जाये। तथा समय – समय पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराया जाये। जिलाधिकारी ने सभी कर्मचारियों से अपने कार्य को सेवा भाव से करने हेतु प्रेरित भी किया।निरीक्षण के दौरान जिला प्रोवेशन अधिकारी गौरव मिश्रा सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।